2 गांव ही गांव, खेत ही खेत

(सन् 100 से सन् 1000 तक की बात)

इस पाठ में दिए गए चित्रों को ध्यान से देखो। इनमें से क्या क्या बातें आज भी तुम अपने आसपास देख सकते हो?
किन किन इलाकों की खेती के बारे में इस पाठ में चर्चा होगी?

उन दिनों जब छोटे बड़े राजा महाराजा युद्ध क्षेत्र में लड़ रहे थे और अपने दरबार में कलाकारों और कवियों को बढ़ावा दे रहे थे- गांवों में किसान खेती सुधारने और बढ़ाने के परिश्रम में लगे थे। ये वो समय था जब लोग खेती फैला रहे थे। नए-नए खेतों के साथ नए-नए गांव बसा रहे थे। कई कबीले जो शिकार या पशुपालन किया करते थे वे भी खेती का काम अपनाने लगे थे। इन्हीं गांवों और खेतों पर अधिकार जमाने के लिए इतने सारे राजा लड़ रहे थे। इन्हीं खेतों की उपज से ली गई लगान से राजाओं के पास धन इकट्ठा हो रहा था। उस धन से ही दरबारों का ठाठ-बाठ था और कवियों व कलाकारों को बढ़ावा दिया जा रहा था।

तो चलो लड़ाई के मैदान और राज दरबारों की बातें छोड़कर हम यह बात करें कि उन दिनों खेतों में क्या हो रहा था, किसान क्या प्रयत्न कर रहे थे।

इस अंश में कही बातों को तीन वाक्यों में कहो।

शुरू में खेती-बाड़ी अक्सर नदियों के किनारे ही हुआ करती थी- ऐसी नदियों के किनारे जिनमें साल भर पानी रहता था। पर साल भर बहने वाले नदी-नाले तो बहुत कम थे। अधिकांश नदी-नाले बारिश के मौसम के बाद सूख जाते थे। ऐसे इलाकों में खेती फैलाना मुश्किल काम था। उन इलाकों में जब लोग खेती फैलाने की कोशिश करने लगे तो उन्होंने जहां तक संभव हो सिंचाई की व्यवस्था करने की कोशिश की।

चित्र-1 कई कबीले पहली बार खेती अपनाने लगे थे।

पठार में सिंचाई

जो लोग कर्णाटका, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु व महाराष्ट्र के पठारी इलाकों में खेती फैला रहे थे उन्होंने अपने यहां की ज़मीन के हिसाब से सिंचाई का एक उपाय ढूंढा। चित्र -2 में देख कर समझो कि पठारी इलाकों की ज़मीन कैसी थी और वहां किसानों ने सिंचाई की क्या व्यवस्था की।

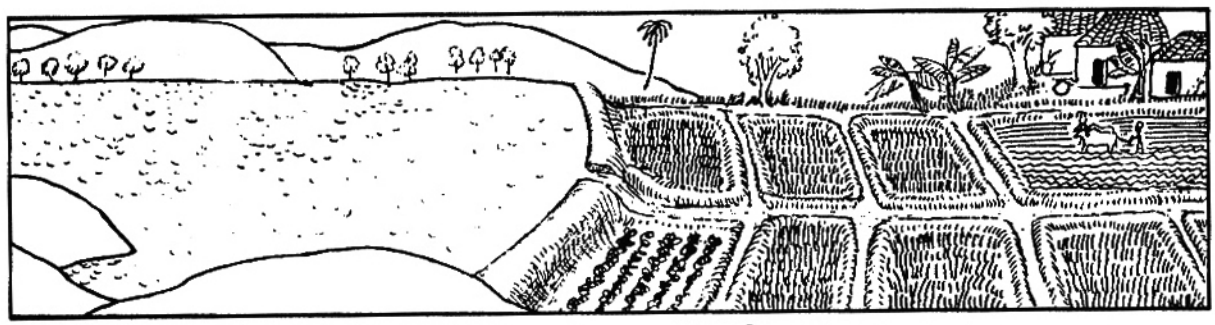

चित्र-2 पठार की ज़मीन और सिंचाई के तालाब।

भारत के मानचित्र में ऊपर बताए राज्यों को पहचानो।

मैदान में सिंचाई

भारत में सिर्फ पठार ही नहीं हैं। मैदानी इलाके भी हैं।मैदानी इलाकों में जो किसान खेती फैला रहे थे उन्होंने सिंचाई का क्या-क्या इन्तज़ाम किया - चित्र-3 में देखो।

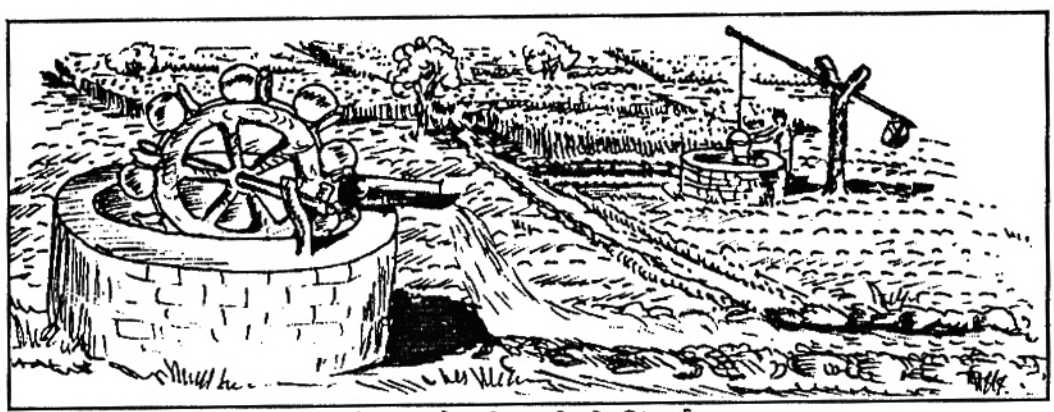

चित्र-3 मैदानी इलाके में सिंचाई।

मैदानी इलाकों में कौन से राज्य आते हैं, गुरुजी की मदद से, भारत के दीवार मानचित्र में देखो।

मैदानी इलाके के किसानों ने तालाब क्यों नहीं बनाए जबकि पठारी इलाके के लोगों ने बहुत तालाब बनाए थे? चित्र-2 और चित्र-3 में दिखाई ज़मीन की तुलना कर के उत्तर ढूंढो।

मैदानी इलाके के किसानों ने सिंचाई के लिए सैकड़ों कुएं व बावड़ियां खोदीं, पर पठारी भाग के लोगों ने ऐसा नहीं किया। पठार में कुआं खोदना कठिन होता है। मिट्टी के ठीक नीचे चट्टान होती है। चट्टान की दरारों में ही कहीं-कहीं

पानी भरा मिलता है। जबकि मैदानी इलाकों में ज़मीन के नीचे बालू व मिट्टी होती है। मिट्टी और बालू के बीच पानी भरा मिल जाता है। इसलिए कुएं बनाना आसान है। तुमने कक्षा-6 में "मैदान का एक गांव, कोटगांव" और "पठार का एक गांव, बालमपुर" के पाठ पढ़े थे। उन पाठों में तुमने यह बात विस्तार से समझी थी कि पठार और मैदान में सिंचाई के उपायों में क्या फर्क है।

उस पुराने समय के किसानों ने भी अपने अनुभव से अपने यहां की ज़मीन के अनुसार सिंचाई की विधियां ढूंढ ली थीं।

पानी खींचने के यंत्र

किसानों ने कुओं से पानी खींचने के तरीके भी ढूंढे। इसके लिए किसानों ने तरह-तरह के यंत्र बनाए। सबसे पहले शायद ढेंकली का उपयोग हुआ।

ढेंकली से पानी कैसे उठाया जाता है चित्र-4 से समझो।

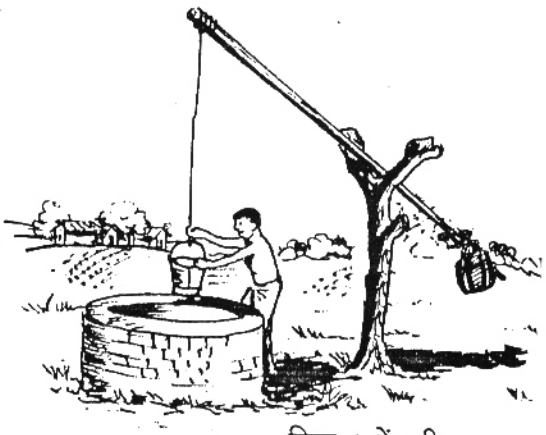

चित्र-4 ढेंकली

चित्र - 5 मोठ

फिर बैलों को जोतकर मोठ से पानी खींचा जाने लगा।

क्या तुम्हारे यहां ढेंकली और मोठ का उपयोग हुआ करता था? पता करो।

पुराने समय में तो ये ही सिंचाई के यंत्र थे। लोग लगातार बेहतर यंत्र बनाने की कोशिश करते रहे। एक नया यंत्र बना अरघट्ट।

अरघट्ट से पानी कैसे खींचा जाता था चित्र-6 देख कर समझो।

क्या तुम्हारे आसपास इस यंत्र का उपयोग होता था? इसे तुम्हारे क्षेत्र में क्या कहा जाता था?

सिंचाई के इन साधनों को बनाने और लगवाने में बहुत मेहनत और धन खर्च होता था। अधिकतर गांव के धनी लोग ही ये साधन जुटा पाते थे। बहुत से किसान बिना सिंचाई के ही खेती किया करते होंगे जैसे कि आज भी करते हैं।

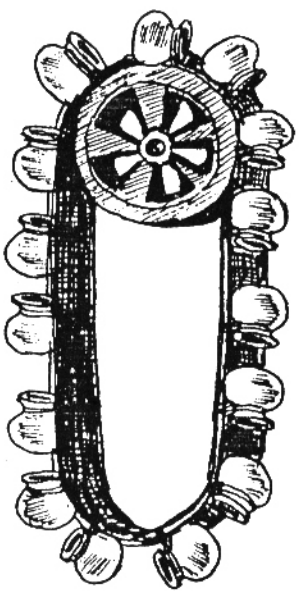

चित्र-6 अरघट्ट

चित्र-7 नदी के मुहाने पर बंधान और नहरों से सिंचाई

नदी का मुहाना

जो किसान नदियों के मुहानों पे रहते थे, उन्हें खेती फैलाने में पानी की बहुत सुविधा थी।

नदी समुद्र के पास आकर कई छोटी-छोटी धाराओं में फैलती हुई बहने लगती है। उसकी धाराओं में हमेशा काफी पानी रहता है। दूर से बह कर आई नदी बहुत सी मिट्टी साथ लाती है। यह मिट्टी नदी की धाराओं के पास बिछती जाती है। यह बहुत उपजाऊ मिट्टी होती है। नदी की धाराएं आगे जा कर समुद्र में मिल जाती हैं। यह इलाका नदी का मुहाना कहलाता है।

नदी के मुहाने पर जो किसान खेती फैला रहे थे उन्हें मिट्टी और खूब पानी का लाभ मिला था। लेकिन समस्या वहां भी थी। मुहाने पर इतना पानी जमा हो जाता था कि खेती करना मुश्किल हो जाता था। नदी की धाराओं में बाढ़ आती रहती थी।

भारत के नक्शे में तुम कुछ बड़ी नदियों के मुहाने ढूंढो। उन नदियों के नाम लिखो।

नदी के मुहानों के बारे में तीन सबसे महत्वपूर्ण बातें लिखो।

बंधान और नहरें

नदियों के मुहानों में बाढ़ पर काबू पाने के लिए किसानों ने धाराओं के किनारे बंधान बनाए ताकि खेतों में पानी न भरे। फिर बंधान में से नहरें निकालीं जिससे जितना पानी चाहिए उतना खेतों तक पहुंचे। (चित्र-7 देखो)

खेतों में फिर भी ज़्यादा पानी भर जाए तो उसके निकास के लिए गहरे नाले बनाए।

बड़े परिश्रम से इतने उपाय करने पर नदियों के मुहानों की उपजाऊ मिट्टी पर किसान साल में तीन-तीन फसलें भी लेने लगे। धान की फसल ऐसी जगहों पर बहुत होने लगी।

चित्र-8 पहाड़ी खेत

पहाड़ी इलाके

जो लोग पहाड़ी भागों में रहते थे वहां सिंचाई करना बड़ा कठिन था। क्योंकि, पानी तेज़ी से बह जाता था। पर वहां के लोगों ने भी खेती के प्रयास किए।

पहाड़ की ढलानों के बीच उन्होंने समतल ज़मीन ढूंढी और उसके जंगल व झाड़ साफ करके खेती की। जंगल में रहने वाले कबीलों ने ऐसी फसलें अपनाईं जो कम पानी में भी उग जाएं- जैसे कोदों, कुटकी, समा, ज्वार आदि। कई कबीलों के लोग इन फसलों की खेती करने लगे। खेती के साथ-साथ वे जंगल से शिकार और फल आदि भी लाते रहे। खेतों के आस-पास उनके छोटे-छोटे गांव भी बस गए।

तुमने कक्षा - 6 में पहाड़ पर बसे एक गांव 'पाहवाड़ी' का वर्णन पढ़ा था। पाहवाड़ी गांव में तुमने ऊपर बताई बहुत सी बातें पाई थीं।

क्या पहाड़ी इलाकों मे सिंचाई की व्यवस्था हो पाई थी?

वहां पर क्या-क्या फसलें उगाई जाने लगीं?

नए-नए गांव व शहर बने

इस तरह पुराने समय के किसानों के प्रयासों से कितने ही गांव बसे और खेतों की उपज बढ़ी। जिन इलाकों में एक समय घना जंगल रहा करता था वहां धीरे-धीरे, दो-तीन-चार सौ सालों में खेत और गांव नज़र आने लगे।लोगों की संख्या (जनसंख्या) पहले से ज़्यादा हो गई। जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ी और गांवों की संख्या बढ़ी, वैसे-वैसे लोगों की ज़रूरत की चीज़ें बनाने वाले बहुत से कारीगर होने लगे। चीज़ें बेचने के लिए बहुत से व्यापारी होने लगे। तब गांवों के बीच छोटे-बड़े शहर भी उभर आए। शहरों में कारीगरों और व्यापारियों की चहल-पहल रहने लगी।

मानचित्र 1 में राजा अशोक के समय के शहर और गांव वाले इलाके दिखाए हैं। शहरों की बिन्दियों को लाल रंग करो। गांव के इलाकों को पीला रंग करो। जंगलों को हरा रंग करो।

अब मानचित्र 2 में सन् 1000 में भारत के जंगल, शहर और गांव वाले इलाके ध्यान से देखो। इस मानचित्र में भी नगरों की बिन्दियों को लाल रंग से रंगो। जंगलों को हरा और गांव के इलाकों को पीला रंगो।

दोनों मानचित्रों की तुलना कर के बताओ कि राजा अशोक के समय में भारत और सन् 1000 में भारत में क्या बदलाव दिख रहे हैं।

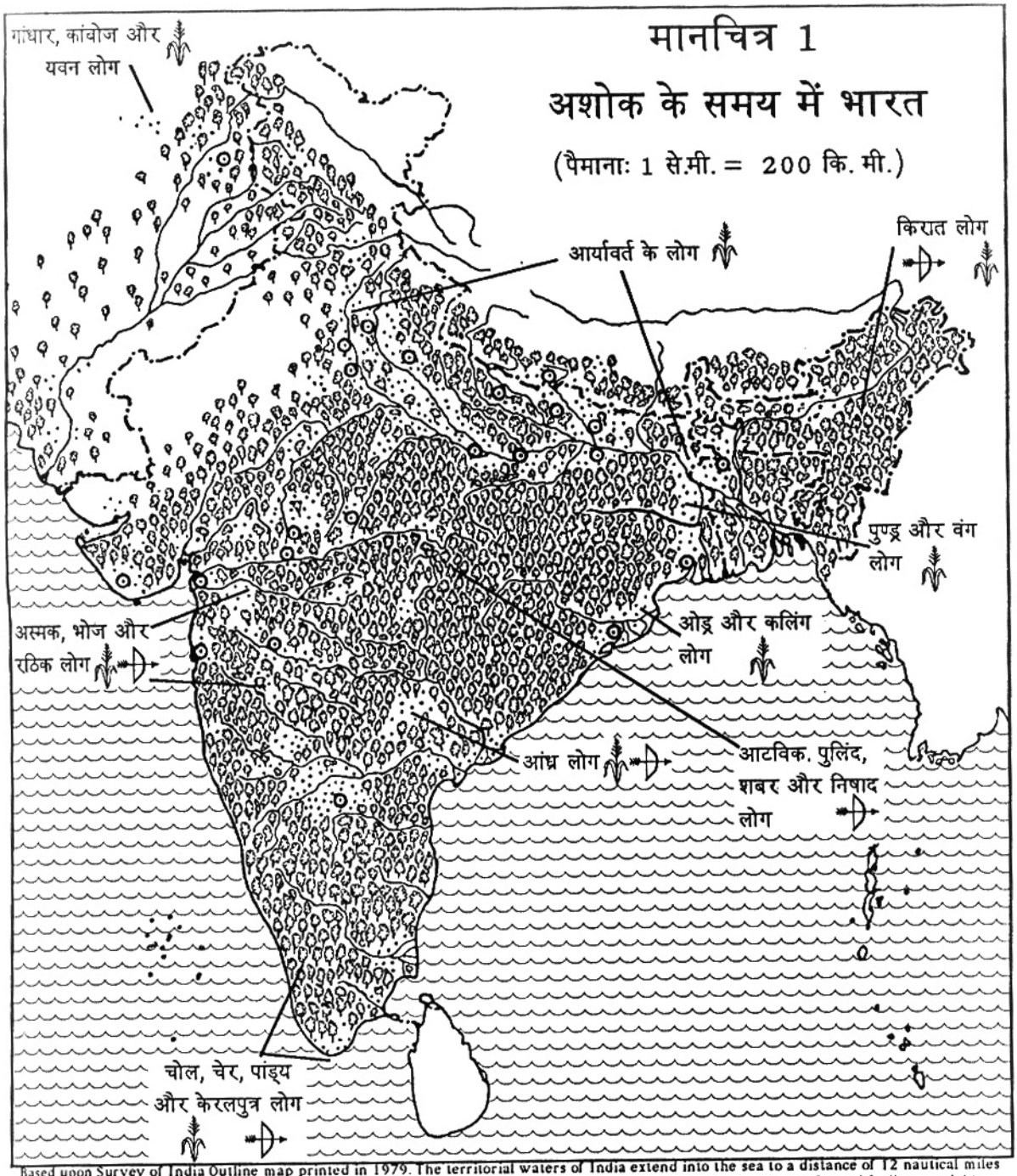

Based upon Survey of India Outline map printed in 1979. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of 12 nautical miles measured from the appropriate baseline.
c. Govt of India copyright.

संकेत

	भारत की वर्तमान बाह्य सीमा		गांव के इलाके
	जंगल		मुख्यतः खेती करते थे
⊙	शहर		मुख्यतः शिकार करते थे

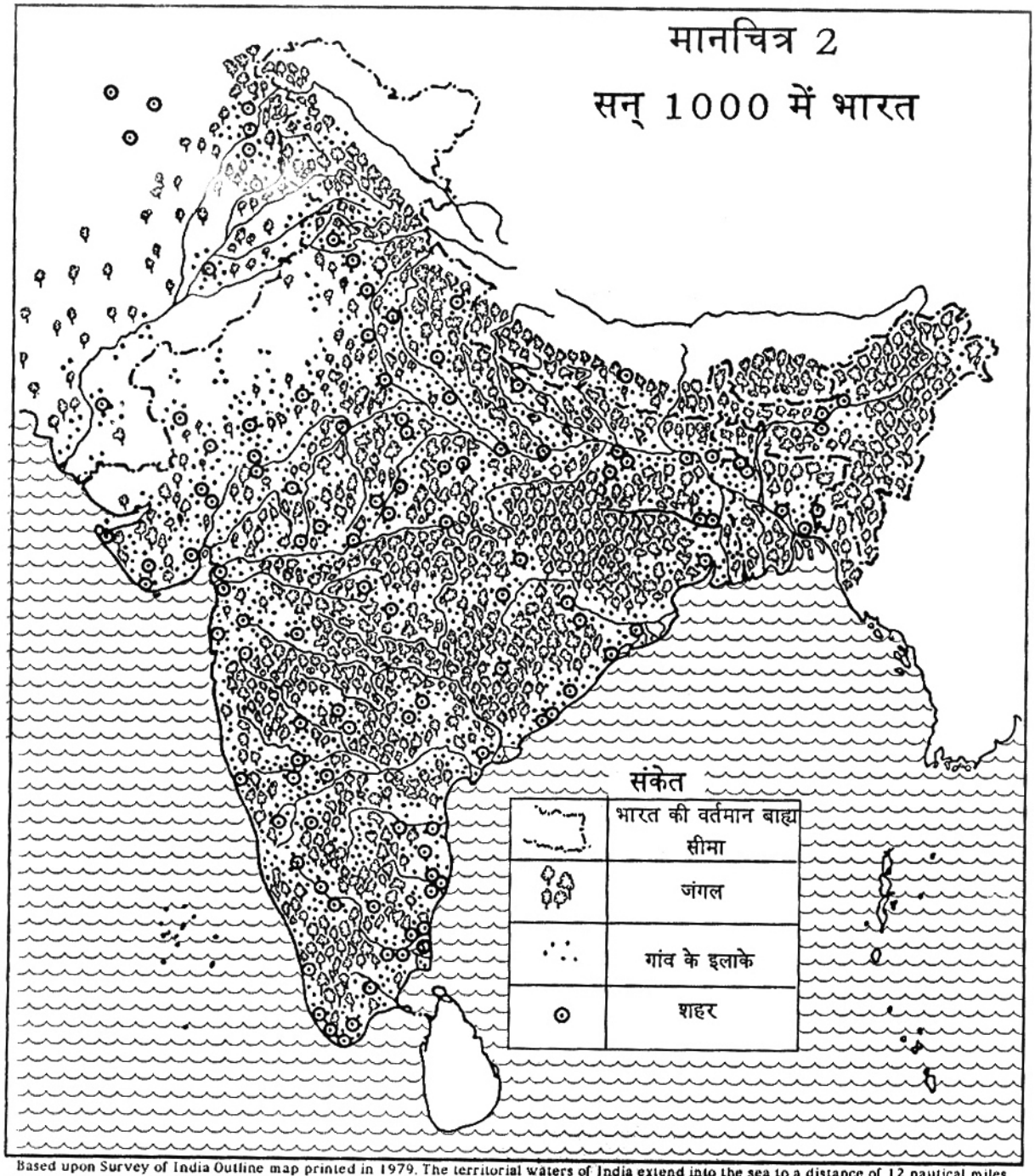

Based upon Survey of India Outline map printed in 1979. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of 12 nautical miles measured from the appropriate baseline.

c. Govt of India copyright.

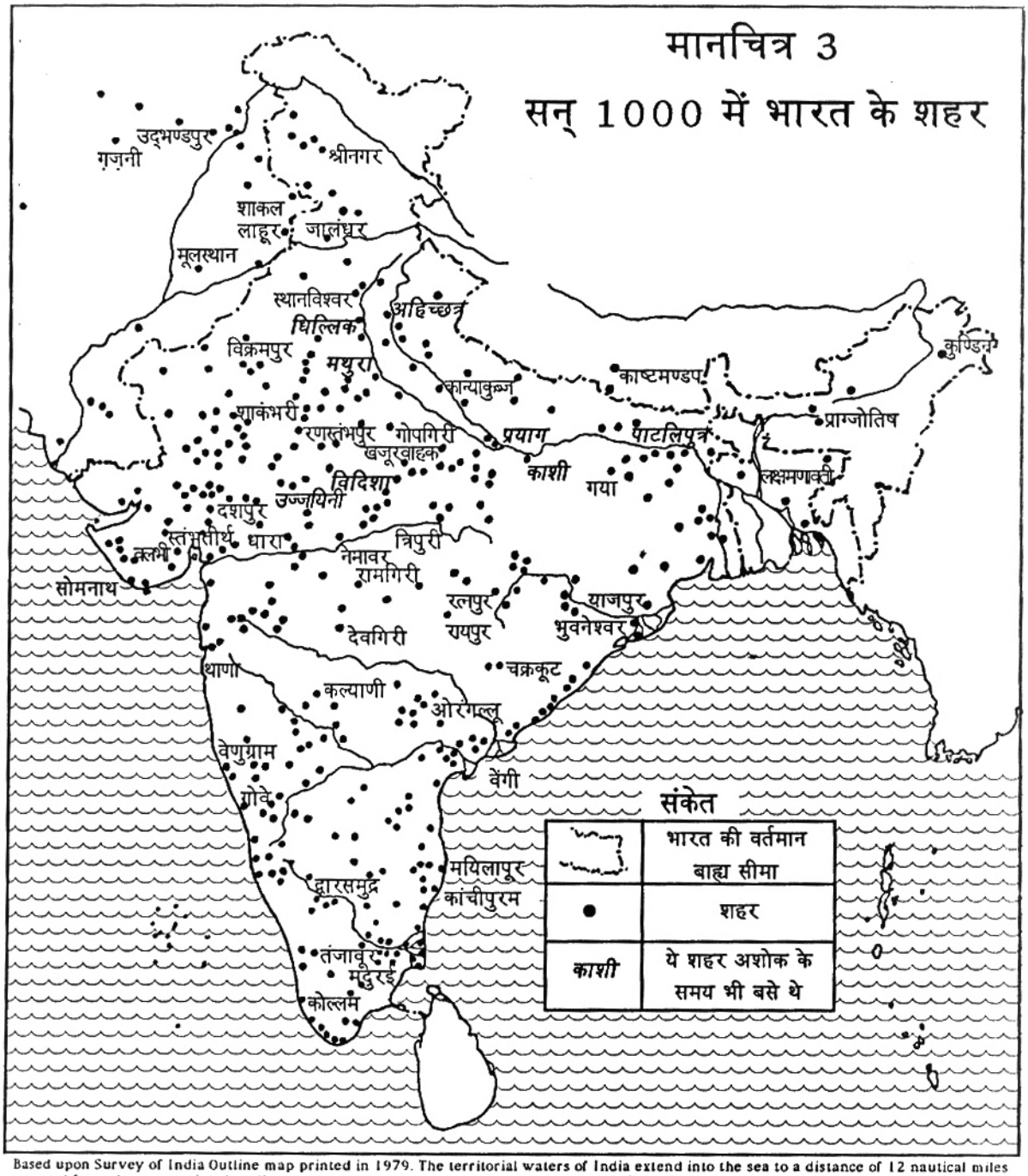

Based upon Survey of India Outline map printed in 1979. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of 12 nautical miles measured from the appropriate baseline.
c. Govt of India copyright.

पैमाना : 1 से.मी. = 200 कि.मी.

मानचित्र 3 में उन शहरों के नाम लिखे हैं जो सन् 1000 में भारत में थे। इस मानचित्र में जंगल और गांव नहीं दिखाए हैं ताकि शहरों के नाम साफ-साफ लिखे जा सकें।

मानचित्र - 3 में नगरों के नाम देखो।

उन नगरों को पहचान कर सूची बनाओ जो राजा अशोक के समय में भी थे।

मानचित्र - 3 में दिख रहे बाकी सब नगर राजा अशोक के समय के बाद बसे। क्या इनमें से किसी नगर को तुम पहचानते हो? सन् 1000 में जो नगर बसे हुए थे उनमें से कई नगर आज भी बसे हैं।

मन करे तो पढ़ना.....

हमें कैसे पता चलता है कि सचमुच हज़ार, डेढ़ हज़ार साल पहले कई तरह से सिंचाई की व्यवस्था की जाती थी? इस बात का प्रमाण उस समय के आलेखों से मिलता है- (आलेख का मतलब गुरुजी से समझो)।

जैसेः सन् 1209 में लिखे गये कर्णाटका राज्य से मिले एक आलेख का अंश-

"महाप्रधान कुमार पंडितैय के पुत्र बिट्टेय ने कालीदेव के उत्तर में एक तालाब बनवाया। और वहां अपने नाम से बिट्टेनहल्ली नाम का गांव बसाया। उसने एक और तालाब भी बनवाया- बिट्टेयसमुद्रम नाम का।"

अभ्यास के प्रश्न

1. पठारी इलाकों के किसानों ने सिंचाई का क्या इंतज़ाम किया ? पठार पर यह इंतज़ाम आसान क्यों था?
2. मैदानी भाग के किसानों ने सिंचाई का क्या इन्तज़ाम किया? मैदानों में यह इन्तज़ाम आसान क्यों था?
3. क) नदियों के मुहानों पर रहने वाले किसानों को क्या सुविधा थी और क्या कठिनाई थी?
   ख) उन्होंने खेती को सुधारने की क्या व्यवस्था की?
4. क) पहाड़ी इलाकों में कबीलों ने खेती किस तरह की?
   ख) क्या वे पूरी तरह खेती के सहारे जीने लगे?
5. सन् 1000 में नर्मदा नदी के दक्षिण में कितने शहर थे? राजा अशोक के समय में इस इलाके में कितने शहर थे?